सूरतगढ सुपर थर्मल की छठी इकाई सिंक्रोनाइज्ड

प्रतिदिन 60 लाख यूनिट बिजली उत्पादन की क्षमता

सूरतगढ़ 31 मार्च,। सूरतगढ सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन की 250 मेगावाट क्षमता वाली नवनिर्मित छठी इकाई को मंगलवार 31 मार्च की रात्रि 7 बज कर 48 मिनट पर विद्युत उत्पादन के लिए सफलतापूर्वक परीक्षण (सिन्क्रोनाइज) कर लिया गया है। आवश्यक परीक्षणों के उपरांत कुछ समय के अंदर ही इस इकाई में पूर्ण क्षमता से विद्युत उत्पादन प्रारंभ कर दिया जायेगा। इस इकाई के विद्युत उत्पादन के लिए तैयार होने के साथ ही राजस्थान में बिजली की अधिष्ठापित क्षमता 6976 मेगावाट पहुंच गई है।

सूरतगढ़ से करीब 27 किलोमीटर दूर परियोजना परिसर में छठी इकाई के सिंक्रोनाइजेशन के अवसर पर राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक डा.एस.के. कल्ला,निदेशक श्री एम.एल.कोठारी, मुख्य अभियंता श्री पी.एन.सिंघल व श्री जे.के. धवन, भेल के निर्माण अभियंता श्री ए.के.सिन्हा, इन्ड्योर के श्री वी.एन. गुप्ता, आईएल के श्री के.पी.सिंह तथा परियोजना से जुड़े अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

इस इकाई के पूर्ण क्षमता से उत्पादन आरम्भ करने पर राज्य को प्रतिदिन 60 लाख यूनिट बिजली और मिलने लगेगी। इस इकाई के चालू होने के साथ ही राज्य के पहले सुपर ताप बिजलीघर की क्षमता बढकर 1500 मेगावाट हो गई है।

इस इकाई के निर्माण की अनुमानित लागत 1117 करोड रुपये आंकी गई है। इकाई के मुख्य उपकरणों की आपूर्ति एवं स्थापना का कार्य मैसर्स भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने एवं बैलेन्स आफ प्लान्ट का कार्य मैसर्स इन्ड्योर लिमिटेड, नई दिल्ली ने किया है।

विद्युत उत्पादन निगम छबडा में 250 मेगावाट क्षमता की पहली तथा कोटा में 195 मेगावाट क्षमता की सातवीं इकाई को अगले माह और छबडा की 250 मेगावाट क्षमता वाली दूसरी इकाई को सितम्बर माह में सिन्क्रोनाइज करने की तैयारी कर रहा है। जिन्हें मिलाकर वर्ष 2009 में विद्युत उत्पादन निगम की वर्तमान अधिष्ठापित क्षमता 3152 मेगावाट से बढकर 4097 मेगावाट हो जायेगी।

इसके अतिरिक्त उत्पादन निगम ने जहां छबडा में 500 मेगावाट की तीसरी व चौथी और कालीसिन्ध, झालावाड में 1200 मेगावाट की दो इकाइयों के निर्माण कार्य को तेज किया है वहीं नई स्वीकृत विद्युत परियोजनाओं रामगढ (160 मेगावाट), गिरल (250 मेगावाट), छबडा (1320 मेगावाट) व सूरतगढ (1320 मेगावाट) पर भी कार्य शुरु कर दिया है। वर्ष 2011 से 2013 के मध्य बिजली उत्पादन करने वाली इन नई इकाइयों की क्षमता 4750 मेगावाट है।